मैं श्याम दीवाना हूँ | By Gulshan Agarwal

श्याम के चरणों के रज को माथे पे लगा कर घूमूँगा
मैं श्याम दीवाना हूँ, कीर्तन में उनके झूमूँगा

जग से जब मैं हारा, उसने ही संभाला है
मुझे देख रहा है जो, मेरा बांसुरी वाला है
उन पर फूल खुशी का लुटा, कांटो से खुद को भर लूंगा
मैं श्याम दीवाना हूँ, कीर्तन में उनके झूमूँगा

सब रिश्ते नाते मैं तोड़ के आया हूँ
एक तेरे भरोसे ही जग छोड़ के आया हूँ
तेरा एक इशारा हो, मैं जान हथेली रख दूंगा
मैं श्याम दीवाना हूँ, कीर्तन में उनके झूमूँगा

मेरे मन के मंदिर में, छवि तेरी बसती है
ये जो झूम रहा हूँ में, तेरे नाम की मस्ती है
प्रीती रग में तेरा नाम बसे, तेरे नाम ये जीवन कर दूंगा
मैं श्याम दीवाना हूँ, कीर्तन में उनके झूमूँगा

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a5%88%e0%a4%82-%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%a6%e0%a5%80%e0%a4%b5%e0%a4%be%e0%a4%a8%e0%a4%be-%e0%a4%b9%e0%a5%82%e0%a4%81-by-gulshan-agarwal/